नक्सल मोर्चों में शहीद हुए पुलिस के 35 जवानों के परिजन होंगे सम्मानित

धमतरी,(आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर 15 अगस्त को विभिन्न नक्सल मोर्चों में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए पुलिस के जांबाज जवानों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। स्थानीय डॉ. शोभाराम देवांगन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के एकलव्य खेल परिसर में आयोजित मुख्य समारोह के दौरान प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा लोक स्वास्थ्य मंत्री श्री अजय चंद्राकर द्वारा मुख्य अतिथि तौर पर शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। जिले के शहीद हुए जवानों में आमगांव के निरीक्षक विनोद कुमार ध्रुव, ग्राम बरबांधा के देवनाथ नागवंशी निरीक्षक, उपनिरीक्षक कोमलसिंह साहू शामिल हैं। इसी तरह ग्राम सातबहना के सियाराम ध्रुव, ग्राम पदमपुर के शिवप्रसाद शर्मा, खड़पथरा के देवनाथ नाग, गट्टासिगी के महावीर मरकाम एवं ग्राम-मल्हारी के श्री विरेन्द्र सोम तथा दानीटोला वार्ड धमतरी के चंद्रशेखर रंगारी, ग्राम कोकड़ी के नकुल ध्रुव, (सभी प्रधान आरक्षक) के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार कोटपारा नगरी के जवान हेमन्त सोम, लाइनपारा नगरी निवासी धर्मेन्द्र कुमार साहू, गागरा के संतोष कुमार नेताम, सिंगपुर (कमईपुर) निवासी श्री राधेश्याम नागवंशी, ग्राम-सांकरा के श्री नोहरू राम नेताम, ग्राम-संबलपुर के श्री नारायण सोरी के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा ग्राम-नारधा के शहीद श्री ललित दीवान, बाजारपारा नगरी के प्यारेलाल सोम, छिपली के खिलावन बिसेन, ग्राम-फरसियां के रतनलाल मरकाम एवं ग्राम-जैतपुरी के शिवकुमार कोर्राम शामिल हैं। ग्राम-पोड़ागांव के शहीद आरक्षक विजय सूर्याकर, ग्राम-सेमरा के धनराज ध्रुव, विश्रामपुर के भूषण मंडावी, ग्राम-रावनसिंघी के वासुदेव ध्रुव एवं ग्राम नवागांव-श्यामतराई के रामेश्वर ध्रुव (सभी आरक्षक) शामिल हैं। अन्य शहीद आरक्षकों में नगरी के अमजद खान, ग्राम-पण्डरीपानी के खगेन्द्र कुमार कश्यप, ग्राम-मारागांव के छबिलाल कांशी, ग्राम-भीतरराास के नवलकिशोर शांडिल्य, ग्राम-भैंसासांकरा के आदित्य साहू, कौहाबाहरा नगरी के निर्मलकुमार नेताम के अलावा ग्राम-अर्जुनी के शहीद एस.पी.ओ. तीरणसिंह मांझी, नगरी के अभिषेक गोलछा के परिजनों को स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह स्थल में सम्मानित किया जाएगा।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़, दो नक्सलियों के शव बरामद

सुकमा,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सुकमा जिले में आज सुबह करीब 6 बजे जिले के नक्सल प्रभावित इलाके किस्टाराम के पास पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें दो नक्सली ढेर हो गए उनके पास से एक पिस्टल, भरमार बंदूक बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह करीब 6 बजे एसटीएफ और डीआरजी की टीम के साथ किस्टा राम से करीब 5 किमी दूर पलोड़ी के पास नक्सली और पुलिस में बीच मुठभेड़ हुई। करीब आधे घंटे तक दोनों और से फायरिंग हुई उसके बाद पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल की ओर भाग गए। सर्चिंग करने पर दो पुरुष नक्सलियों के शव बरामद हुआ। शव के पास से एक पिस्टल, एक भरमार बंदूक पुलिस ने बरामद किया। हालांकि पार्टी वापस कैम्प के लिए निकल गई। साथ ही दोनों नक्सली की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई। खबर की पुष्टि पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा करते हुए बताया कि मुठभेड़ हुई है और दो वर्दीधारी नक्सली के शव बरामद हुए और हथियार भी मिले।

निजी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे तत्काल लगवाए जाएं- मिश्रा

रायपुर,(आरएनएस)। शहर के ख्याति प्राप्त चिकित्सा संस्थानों में भर्ती मरीजों के साथ जमकर वसूली की जा रही है। विशेषकर आईसीयू ,आईसीसीयू में भर्ती मरीज के परिजनों से दवाईयों के नाम पर वसूली हो रही है। जिसके चलते मरीजों को अच्छी खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सा संस्थानों में स्थित मेडिकल स्टोर से बिकने वाली दवा भी बाजार मूल्य से चार गुना अधिक मूल्य बेची जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों के परिजनों को अपने रिश्तेदार का इलाज कराने के दौरान खेतिहर भूमि पशु एवं मकान आदि बेचकर चिकित्सा कराने की मजबूरी हो गई है। जिसके चलते आम लोगों का इलाज आज काफी महंगा हो गया है। निजी चिकित्सा संस्थानों के आईसीयू आईसीसीयू जनरल वार्ड पेईंग वार्ड एवं ट्रामा यूनिट सहित कैजुएलिटी में सीवीटीवी कैमरा तत्काल प्रभाव से लगाया जाए। कैमरे के परिधि में वहां स्थित मेडिकल स्टोर को भी लाया जाए। मरीजों के हित में भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता आशुतोष मिश्रा ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित वार्ता में निजी चिकित्सा संस्थानों द्वारा जमकर की जा रही वसूली का विरोध करते हुये कड़ी आपत्ति व्यक्त की एवं निजी चिकित्सा संस्थानों के संचालकों पर मरीज को गुमराह कर अधिकतम बिल वसूली की प्रक्रिया रोकने की स्वास्थ्य मंत्री अजय चंद्राकर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य सुब्रत साहू को ज्ञापन सौंपकर मांग की है। मिश्रा ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जिस तरह से अच्छी चिकित्सा सुविधा के नाम पर खुलेआम लूटपाट हो रही है वे मरीजों के हितों के विरूद्ध है। उन्होंने डा. भीमराव अंबेडकर हास्पिटल के 12 सौ बिस्तरीय होने का हवाला देते हुये यहां पर मौजूद चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और करने की मांग जनहित में स्वास्थ्य मंत्री से की है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाएं होने के बावजूद भी प्रदेश की अधिकतर आबादी का हिस्सा देखरेख के अभाव में निजी चिकित्सा संस्थानों में बीमारी का इलाज कराने के दौरान लूटने पर मजबूर है।

जेल में बंद ऑस्ट्रेलियाई आतंकी नील प्रकाश को मिली वकील की मदद

केनबरा,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के विदेश विभाग की ओर से कहा गया है प्रकाश को ऑस्ट्रेलिया के सबसे स्टैंडर्ड काउंसलर की मदद मुहैया कराई जा रही है। इसमें उसके परिवार वालों के साथ उसका संपर्क करना, टर्की की अथॉरिटीज को 26 वर्ष के प्रकाश की बेहतरी के लिए अधिकृत करना और कानूनी तौर पर उसे मदद करना भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने प्रकाश से दो बार जेल में मुलाकात की है। सरकार की मानें तो सरकार का ध्यान प्रकाश से आईएसआईएस से जुड़ी इंटेलीजेंस हासिल करने पर है।सरकार की मानें तो प्रकाश, आईएसआईएस का सीनियर रिक्रूटर है। अक्टूबर 2014 में उसका पासपोर्ट कैंसिल हो गया था। अगस्त 2015 में उसके खिलाफ इंटरपोल का नोटिस जारी हुआ था।

कौन है नील प्रकाश ?

नील प्रकाश का जन्म मेलबर्न में हुआ है और वह आईएसआईएस का रिक्रूटर है। उसने टर्की की अथॉरिटीज को बताया है कि सीरिया में आईएसआईएस के लिए लड़ते हुए ही उसने एक डच लड़की से शादी कर ली थी जो उसकी ही तरह जेहादी है। अब दोनों के दो बच्चे भी हैं जो कि ऑस्ट्रेलियाई नाफ्ररिकता के योग्य हैं। प्रकाश को उस समय गिरफ्तार किया फ्रया था जब वह 24 अक्टूबर को सीरिया बॉर्डर को क्रॉस करके टर्की में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। प्रकाश फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बॉर्डर क्रॉस करने की कोशिश कर रहा था। प्रकाश 10 माह जेल में बिता चुका है और उस पर आतंकवाद से जुड़ी धाराएं लगाई गई हैं। प्रकाश को अबु खालिद अल-कंबोडी के नाम से भी जानते हैं। वर्ष 2013 में वह मलेशिया के रास्ते सीरिया पहुंचा था। उसे आईएसआईएस के कई वीडियोज में देखा जा चुका है।

विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच भड़की हिंसा, आपातकाल घोषित

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य में श्वेत सर्वोच्चता की वकालत करने वालों और उनके विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा भड़क उठी। इसके बाद प्रशासन ने वहां आपातकाल घोषित कर दिया। श्वेतों की 'यूनाइट द राइट' रैली से पहले यह हिंसा शुरू हुई। चार्लोट्सविले शहर के पार्क से कंफेडरेट जनरल रॉबर्ट ई. ली की मूर्ति हटाने की योजना के विरोध में रैली का आयोजन किया गया था। यह शहर वर्जीनिया से 256 किलोमीटर की दूरी पर है। दोनों पक्षों में झड़प के बाद वहां पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। वर्जीनिया के गवर्नर टेरी मैकऔलिफ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अतिरिक्त शक्तियों के बिना लोगों की सुरक्षा नहीं की जा सकती। राज्य के बाहर से प्रदर्शनकारी वर्जीनिया में आ गए हैं जिनसे हमारे नागरिकों और हमारी संपत्ति को खतरा है। उन्होंने कहा कि वह पिछले 24 घंटे से हमारे राज्य में की जा रही हिंसा और द्वेष से विचलित हैं।

मुझसे महसूस करें 'अम्मा' जैसा प्यार : शशिकला

नई दिल्ली,(आरएनएस)। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद एआईएडीएमके महासचिव वी के शशिकला ने पार्टी कैडर से अपील की है कि वे पार्टी और पूरे तमिलनाडु को विपक्षी पार्टी से बचाए रखने की शपथ लें। उन्होंने यह तक कहा कि पार्टी कैडर उनसे एक अम्मा जैसा प्यार महसूस कर सकते हैं, जैसा कि वे उस वक्त करते थे जब तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता जीवित थीं। एआईएडीएमके के मुखपत्र नमादु एमजीआर में छपे एक पत्र में शशिकला ने पार्टी कैडर से कहा है, 'विपक्षी पार्टी इस उम्मीद से उभरकर सामने आने की कोशिश कर रही है कि लोहे के किले के समान एआईएडीएमके में सेंध पड़ेगी। आओ हम सभी पहले की तरह पार्टी और पूरे तमिलनाडु को सुरक्षित रखने की शपथ लेते हैं। आपको बता दें कि पार्टी कैडर से शशिकला की यह अपील ऐसे समय में सामने आई है, जब तमिलनाडु के मौजूदा मुख्यमंत्री ई पलानीस्वामी और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम के नेतृत्व के गुटों के बीच विलय वार्ता की संभावना बढ़ती जा रही है। पलानीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा शशिकला के भतीजे दिनाकरण के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस तरह की स्थिति बनती नजर आ रही है। दिनाकरण को शशिकला ने पार्टी का उपमहासचिव नियुक्त किया था। पत्र में शशिकला ने लिखा है कि एआईएडीएमके के प्रति प्यार और चिंता के कारण उन्होंने पार्टी को बचाने के लिए सार्वजनिक जिंदगी में लौटने का फैसला किया है। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है।

लखनऊ,(आरएनएस)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत गरीबों को मिलने वाले राशन पर सर्वर ने 'ब्रेक' लगा दिया। इससे गुस्साए उपभोक्ताओं ने कई स्थानों पर हंगामा भी किया। आलमबाग के क्षेत्रीय पूर्ति कार्यालय में भी उपभोक्ताओं का दिनभर जमावड़ा लगा रहा। ई-पोस (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन में नेटवर्क नहीं आया। इससे कार्ड धारकों का अंगूठा नहीं लग पाने से राशन का वितरण नहीं हुआ। आलमबाग के सेक्टर-एच स्थित कोटे की दुकान पर आसपास के लोगों ने हंगामा किया। उधर चौक व हजरतगंज व डालीगंज के कई दुकानों पर उपभोक्ताओं का गुस्सा दुकानदारों को झेलना पड़ा। आलमबाग के क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी कार्यालय में भी दिनभर उपभोक्ताओं का जमावड़ा लगा रहा और उपभोक्ता हंगामा करते रहे। क्षेत्रीय पूर्ति अधिकारी अनिल कुमार ने उपभोक्ताओं को राशन देने का आश्वासन दिया, इसके बाद मामला शांत हुआ। उत्तर प्रदेश सस्ता गंगा विक्रेता परिषद के अध्यक्ष अशोक मेहरोत्रा का आरोप है कि देखरेख के अभाव में मशीने काम नहीं कर रही हैं। ई-पोस मशीनें पिछले साल मार्च में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लखनऊ में लाई गई थीं। एक साल के कांट्रेक्ट के समापन के साथ ही इसमें गड़बड़ियां शुरू हो गई हैं। 802 दुकानों की मशीनों में नेटवर्क न आने से लोगों को राशन नहीं मिल सका। नेटवर्क की गड़बड़ी से राशन वितरण नहीं हो सका। कंपनी के प्रतिनिधियों ने देर रात तक नेटवर्क दुरुस्त करने का आश्वासन दिया है। वंचित उपभोक्ताओं को राशन दिया जाएगा। वहीं ऐसे कार्ड धारक जिनका आधार फीड नहीं है, वे मतदाता पहचान पत्र के साथ 20 से 25 अगस्त के बीच कोटे की दुकानों से राशन प्राप्त कर सकते हैं।

आला हजरत दरगाह में गूंजेगा 'सारे जहां से अच्छा'

नई दिल्ली,(आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस पर मदरसों में राष्ट्रीय गीतों के गायन को लेकर बरेली की दरगाह आला हजरत ने कड़ा ऐतराज जताया है। हालांकि बरेलवी मसलक के मदरसों और देवबंदियों का नजरिया बिलकुल जुदा है। आला हजरत ने राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' और राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाने से इंकार किया है। आला हजरत दरगाह में राष्ट्रगान की जगह सारे जहां से 'अच्छा हिन्दुस्ता हमारा' का तराना गूंजेगा। दूसरी तरफ देवबंद के दारुल उलूम समेत अन्य उलेमा ए कराम ने आला हजरत के बयान को नकार दिया है। उलेमा ने कहा कि पहले राष्ट्रगान को समझें और फिर बयानबाजी करें। इन सबके बीच देवबंद और बरेली के इशातुल उलूम मदरसा में राष्ट्रगान के तराने गुंज रहे हैं। यहां बच्चे स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर राष्ट्रगान का रिहर्सल कर रहे हैं। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने मदरसों में राष्ट्रगान गाने और उनकी कार्यक्रम की वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है। इसके जवाब में बरेली की दरगाह आला हजरत से ऐलान किया गया है कि बरेलवी मसलक के मदरसों में न तो राष्ट्रगान होगा और न ही राष्ट्रीय गीत गाया जाएगा। इतना ही नहीं मदरसों में कार्यक्रम की वीडियो-फोटोग्राफी भी नहीं होगी। आजादी के जश्न में राष्ट्रगान न पढ़ने का फरमान भी दुनिया भर में बरेलवी मसलक के मदरसों को भेजा गया है।

Business News / बिजनेस न्यूज

गोल्ड पर तीन फीसद की जीएसटी दर कम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सोने पर तीन फीसद की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर काफी कम है और इसे बढ़ाए जाने की जरूरत है, क्योंकि इसका ज्यादातर इस्तेमाल देश के अमीर लोग करते हैं। इकोनॉमिक सर्वे के लेखक और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन का कुछ ऐसा ही मानना है। वित्त वर्ष 2016-17 के आर्थिक सर्वे वॉल्यूम द्धद्ध को बीते शुक्रवार संसद में पेश किया गया था। इसमें कहा गया, सोने और आभूषण उत्पाद जो कि बहुत अधिक अमीर लोगों की ओर से बेहिसाब खपत वाली वस्तुएं हैं और उन पर 3 फीसद की जीएसटी दर बहुत कम है। दस्तावेज़ में यह भी कहा गया है कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कर की आवश्यकता थी। इसमें कहा गया, स्वास्थ्य और शिक्षा को पूरी तरह से बाहर रखना इक्विटी के साथ असंगत है, क्योंकि ये अमीर लोगों की ओर से बेहिसाब रूप से उपभोग की जाने वाली सेवाएं हैं। आपको बता दें कि स्वास्थ्य और शिक्षा पूरी तरह से टैक्स नेट से बाहर हैं और जीएसटी के तहत इसे छूट दी गई है। इसके अलावा अल्कोहल, पेट्रोलियम, एनर्जी प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रिसिटी और कुछ लैंड और रियल एस्टेट से जुड़े लेनदेन जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। लेकिन जीएसटी के इतर केंद्र और राज्य इस पर कुछ कर लगाते हैं। इलेक्ट्रिसिटी को जीएसटी के फ्रेमवर्क में लाने से इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा में इजाफा होगा क्योंकि बिजली पर लगाने वाले कर में मैन्युफैक्चरर की कॉस्ट भी शामिल होती है जिसे इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से क्लेम किया जा सकता है।

ट्रेडिंग रोक से पार्श्वनाथ समेत छह कंपनियों को राहत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। मुखौटा कंपनियों पर कार्रवाई के मामले में प्रतिभूति अपीलीय टिब्यूनल (सैट) ने शुक्रवार को पार्श्वनाथ डवलपर्स समेत छह कंपनियों को राहत दी है। सैट ने शेयर बाजारों को इन कंपनियों में ट्रेडिंग पर लगे प्रतिबंध को तत्काल हटाने का आदेश सुनाया है। साथ ही, सेबी को कंपनियों का पक्ष सुनने और जांच करने के लिए कहा गया है। सैट की ओर से राहत पाने वाली कंपनियों में कवित इंडस्ट्रीज, पिनकोन स्पिरिट, सिग्नेट इंडस्ट्रीज, एसक्यूएस इंडिया बी एफ एसआइ और कल्पना इंडस्ट्रीज का नाम भी शामिल है। इन कंपनियों में सोमवार से ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। टिब्यूनल ने एक दिन पहले जे. कुमार इंफ्रा और प्रकाश इंडस्ट्रीज की सेबी के आदेश से राहत दी थी और ट्रेडिंग पर प्रतिबंध स्थगित कर दिया था। सेबी ने सोमवार को 331 मुखौटा कंपनियों पर कार्रवाई करते हुए प्रमुख शेयर बाजारों को तत्काल प्रभाव से इनमें ट्रेडिंग बंद करने को कहा था। इनमें से आठ कंपनियों ने सेबी के आदेश को सैट में चुनौती दी थी। सैट की पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'अपीलकर्ताओं की ओर से पिछले तीन साल के कारोबार को लेकर पेश दस्तावेज प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होते हैं। इसलिए सेबी की कार्रवाई पर स्टे देते हुए हम शेयर बाजारों को जितना जल्दी संभव हो, इन कंपनियों में ट्रेडिंग पर लगी रोक हटाने का निर्देश देते हैं।' सैट ने कहा कि इन कंपनियों ने कॉरपोरेट मंत्रालय की ओर से मिली जानकारी के खिलाफ सेबी के समक्ष अपना पक्ष भी रखा है। सेबी कानून के अनुसार उन आपत्तियों का भी निराकरण करे।

गोरखालैंड आंदोलन: जीजेएम प्रमुख बिमज गुरुंग से मुलाकात करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने गोरखालैंड मुद्दे पर बातचीत करने के लिए जीजेएम (गोरखा जनमुक्ति मोर्चा) प्रमुख बिमल गुरुंग को बुलाया है। हालिया समय में यह दूसरी बार है, जब राजनाथ ने गुरुंग से संपर्क किया है। आपको बता दें कि गोरखालैंड की मांग को लेकर लंबे समय से दार्जिलिंग में विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। गुरुंग ने एक बयान में बताया कि जीजेएम को केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से एक सूचना पत्र मिला है जिसमें आज शाम साढ़े चार बजे नई दिल्ली में बातचीत के लिए बुलाया गया है। उन्होंने कहा, मैं गृहमंत्री को हमें बुलाने के लिए धन्यवाद देता हूं। उम्मीद करता हूं कि केंद्र सरकार गोरखा लोगों की मांग के मामले में इंसाफ करेगी। वहीं गुरुंग ने यह भी उम्मीद जताई कि सभी पार्टियां इस बैठक में हिस्सा लेंगी और गोरखालैंड के लिए कोई न कोई रास्ता जरूर निकालेंगी। गुरुंग के अनुसार, यह आंदोलन अब जन आंदोलन में तब्दील हो गया है।